



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 39]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्तूबर 8, 1993/आश्विन 16, 1915

No. 39]

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 8, 1993/ASVINA 16, 1915

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिमूचना

बम्बई, 8 अक्तूबर, 1993

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निम्नांकक) विनियम,
1993

सं. एच. ई./10/93:—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाते हैं, अर्थात्:—

अध्याय 1

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निम्नांकक) विनियम 1993 है।

(2) ये विनियम उनके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ:—इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:—

- (क) “जांच अधिकारी” से बोर्ड का कोई ऐसा अधिकारी या कोई अन्य व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे प्रतिभूति बाजार से संबंधित समस्याओं के संबंध में कार्य-वाही करने का अनुभव हो और जो अध्याय 5 के अधीन बोर्ड द्वारा अधिकृत किया जाता है।
- (ख) “प्राख्य” से अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट कोई प्ररूप अभिप्रेत है,
- (ग) “निरीक्षण प्राधिकारी” से अध्याय 4 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने के लिए बोर्ड द्वारा नियुक्त एक या अधिक व्यक्ति अभिप्रेत है:
- (घ) “मुख्य अधिकारी” से
 - (i) स्वत्वधारी समुत्थान के मामले में; स्वत्व-धारी स्वयं, अभिप्रेत है,
 - (ii) किसी फर्म या व्यक्ति-संगम या निगमित निकाय की दशा में, फर्म संगम, निक.य या निगमित निकाय का सचिव, कोषाध्यक्ष, भागीदार, प्रबन्धक या निदेशक अभिप्रेत है, या

(iii) फर्म, संगम या निकाय या निगमिन निकाय के प्रबंध या प्रशासन में संबंधित कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जिस पर बोर्ड ने उसको अपने मुख्य अधिकारी के रूप में मानने के अपने आशय की सूचना की तारीख की है :

(ड.) "विनियम" में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निम्नांकक) विनियम 1993 अभिप्रेत है :

(च) "नियम" में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निम्नांकक) नियम, 1993 अभिप्रेत है :

(छ) उन सभी शब्दों और पदों के जो इन विनियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं और अधिनियम और नियमों में परिभाषित हैं वे अर्थ होंगे जो, यथास्थिति, अधिनियम या नियमों में उनके हैं ।

अध्याय 2

निम्नांकक का रजिस्ट्रीकरण

3. प्रमाण-पत्र दिए जाने के लिए आवेदन:—(1) किसी निम्नांकक द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाने के लिए आवेदन प्रारूप क में बोर्ड को किया जाएगा ।

(2) उप-विनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी इन विनियमों के प्रवृत्त होने से पूर्व किसी निम्नांकक द्वारा किया गया कोई आवेदन, जिसमें ऐसी या उनके यथा निकटतम विशिष्टियां हैं जो प्रारूप क में वर्णित हैं, उप-विनियम (1) के अनुसरण में किया गया आवेदन माना जाएगा और उसके संबंध में तदनुसार कार्यवाही की जाएगी ।

4. और जानकारी, स्पष्टीकरण आदि का दिया जाना:—

(1) बोर्ड प्रमाणपत्र दिए जाने के लिए आवेदन पर विचार करने के लिए निम्नांकक से सुसंगत विषयों के बारे में और जानकारी या स्पष्टीकरण देने के लिए आवेदक से अपेक्षा कर सकेगा ।

(2) आवेदक या उसका मुख्य अधिकारी, यदि ऐसी अपेक्षा की जाए, व्यक्तिगत प्रतिनिधित्व के लिए बोर्ड के समक्ष हाजिर होगा ।

5. आवेदन अपेक्षा के अनुरूप :—विनियम (3) के उप-विनियम (2) के उपबंधों के अधीन रहते हुए, यदि कोई आवेदन सर्वपक्ष से पूर्ण न हुआ तथा जो प्रारूप में निर्दिष्ट अनुदेशों के अनुरूप न हुआ, को मंजूर नहीं किया जाएगा ।

परन्तु ऐसे आवेदन को नामंजूर करने से पूर्व, बोर्ड द्वारा इंगित त्रुटियों को निश्चित अवधि में दूर करने का आवेदनकर्ता को अवसर दिया जाएगा ।

6. आवेदन पर विचार:—बोर्ड किसी प्रमाणपत्र के दिए जाने पर विचार करने के लिए उन सभी बातों का ध्यान रखेगा जो निम्नांकक से संबंधित हैं या सुसंगत हैं और विशेष-रूप से निम्नलिखित, अर्थात्:—

(क) क्या आवेदक के पास अपने क्रियाकलाप प्रभावी रूप से करने के लिए पर्याप्त कार्यालय स्थान, उपस्कर और जन-शक्ति जैसी आवश्यक अवसरचना है ।

(ख) क्या आवेदक के पास निम्नांकक का कोई पहला अनुभव या उसके नियोजन में कम से कम दो ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें निम्नांकक का अनुभव है ।

(ग) क्या आवेदक या आवेदक के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित किसी व्यक्ति को बोर्ड द्वारा अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकरण नहीं दिया गया है ।

(घ) क्या आवेदक विनियम 7 में विनिर्दिष्ट पूंजी पर्याप्तता अपेक्षा पूरी करता है ।

(ङ) क्या आवेदक या उसका कोई निदेशक भागीदार या मुख्य अधिकारी किसी अपराध के लिए जिसमें नैतिक अधमता अंतर्बलित है सिद्धदोष ठहराया गया या किसी आर्थिक अपराध का दोषी पाया गया है ।

7. पूंजी पर्याप्तता अपेक्षा:—(1) विनियम 6 के उप-विनियम (घ) में निर्दिष्ट पूंजी पर्याप्तता अपेक्षा 25 लाख रुपए की शुद्ध मिल्कियत से कम नहीं होगी ।

(2) उप-विनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी:—

(क) प्रत्येक स्टाक दलाल, जो निम्नांकक के रूप में कार्य करता है, उस स्टाक एक्चेंज जिसका कि वह सदस्य है, द्वारा विनिर्दिष्ट पूंजी पर्याप्तता अपेक्षा पूरी करेगा,

(ख) प्रत्येक मर्चेन्ट बैंकर जो निम्नांकक के रूप में कार्य करता है, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंकर) विनियम, 1992 के विनियम 7 में विनिर्दिष्ट पूंजी पर्याप्तता अपेक्षा को पूरी करेगा ।

स्पष्टीकरण:—इस विनियम के प्रयोजन के लिए "शुद्ध मिल्कियत" से—

(क) आवेदक के कोई स्वत्वधारी समुत्थान, या फर्म या व्यक्ति-संगम या कोई व्यक्ति—निकाय होने की दशा में आवेदक द्वारा ऐसे कारबार में अभिदाय की गई पूंजी का मूल्य और आवेदन के कारबार की किसी प्रकार की खुली आरक्षितियां और

- (ख) निगमित निकाय की दशा में समादत्त पूंजी का मूल्य और खुली आरक्षितियाँ, जैसी विनियम 3 के उप-विनियम (1) के अधीन आवेदन करने के समय आवेदक की लेखा बहियों में प्रकट की गई हैं ।

8. रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रक्रिया—बोर्ड, अपना यह समाधान होने पर कि आवेदक पात्र है आवेदक को, यह वर्णन करते हुए कि वह प्रमाणपत्र दिए जाने के लिए पात्र पाया गया है, एक सूचना भेजेगा और विनियम 12 में विनिर्दिष्ट फीस के संदाय के अधीन रहते हुए, प्ररूप ख में प्रमाणपत्र देगा ।

9. प्रमाणपत्र का नवीकरण—(1) निम्नांकक, यदि वह ऐसा चाहे, प्रमाणपत्र की अवधि की समाप्ति से तीन मास पूर्व प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए प्ररूप क में आवेदन कर सकेगा ।

- (2) उप-विनियम (1) के अधीन प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए आवेदन के संबंध में उसी रीति से कार्यवाही की जाएगी मानो वह विनियम 3 के अधीन प्रमाणपत्र दिए जाने के लिए आवेदन है ।

10. प्रक्रिया जहां रजिस्ट्रीकरण मंजूर नहीं किया जाता है—(1) जहां विनियम 3 के अधीन प्रमाणपत्र दिए जाने या विनियम 9 के अधीन नवीकरण के लिए आवेदन विनियम 6 में उपबर्णित अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है, वहां बोर्ड सुने जाने का अवसर देने के पश्चात् आवेदन नामंजूर कर सकेगा ।

- (2) प्रमाणपत्र मंजूर करने या उसका नवीकरण करने से इंकार की सूचना ऐसे इंकार से तीस दिन के भीतर बोर्ड द्वारा आवेदक को दी जाएगी जिसमें वे आधार कथित होंगे जिन पर आवेदन नामंजूर किया गया है ।

(3) उप विनियम (2) के अधीन बोर्ड के विनिश्चय से व्यथित कोई आवेदक ऐसी सूचना की प्राप्ति की तारीख से तीस दिन की अवधि के भीतर कोई बोर्ड को उसके विनिश्चय पर पुनर्विचार के लिए आवेदन कर सकेगा ।

(4) उप विनियम (3) के अधीन किए गए आवेदन की प्राप्ति पर बोर्ड अपने विनिश्चय पर पुनर्विचार करेगा और उस पर अपने निष्कर्षों की लिखित सूचना आवेदक को यथा-संभव शीघ्र देगा ।

11. प्रमाणपत्र देने या उसका नवीकरण करने से इंकार का प्रभाव—कोई निम्नांकक जिसका प्रमाणपत्र दिए जाने या उसका नवीकरण करने के लिए आवेदन नामंजूर कर दिया गया है विनियम 10 के उप विनियम (2) के अधीन सूचना की प्राप्ति की तारीख से ही निम्नांकक के रूप में कार्य करना बन्द कर देगा ।

12. फीस का संदाय और फीस का संदाय करने में असफलता के परिणाम—(1) प्रमाणपत्र दिए जाने या उसके नवीकरण के लिए पात्र प्रत्येक आवेदक फीस का संदाय अनुसूची-2 में विनिर्दिष्ट ऐसी रीति से और अवधि के भीतर करेगा :

परन्तु बोर्ड पर्याप्त कारण दर्शित किए जाने पर निम्नांकक को उस तारीख से, जिसको ऐसी फीस शोध हो जाती है, छह मास की समाप्ति के पूर्व किसी समय ऐसी फीस का संदाय करने के लिए अनुज्ञा दे सकेगा :

परन्तु यह और कि स्टॉक दलाल या मर्चेट बैंककार जिसे अधिनियम की धारा 12 के अधीन प्रमाणपत्र दिया गया है और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक दलाल और उप दलाल) विनियम, 1992 या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेट बैंककार) विनियम, 1992 के अधीन फीस का संदाय करना है, से उप विनियम (i) के अधीन फीस के संदाय की अपेक्षा नहीं की जाएगी ।

(2) जहां निम्नांकक उप विनियम (1) में यथा अवधि फीस का संदाय करने में असफल रहता है वहां बोर्ड प्रमाणपत्र को निलम्बित कर सकेगा, जिस पर निम्नांकक तुरन्त निम्नांकक के रूप में कार्य करना बन्द कर देगा ।

अध्याय - 3

साधारण बाध्यताएं और उत्तरदायित्व

13. आचार संहिता का पालन करना—प्रत्येक निम्नांकक अनुसूची-3 में यथा विनिर्दिष्ट आचार संहिता का सभी समयों पर पालन करेगा ।

14. ग्राहकों से करार—सभी निम्नांकक प्रत्येक निगमित निकाय जिसकी ओर से वह निम्नांकक के रूप में कार्य कर रहा है से नियम 4 के खंड (ख) में निर्दिष्ट करार करेगा और कथित करार, अन्य चीजों के साथ-साथ निम्नांकक के लिए भी उपबंध करेगा, अर्थात्—

- (i) अवधि जिसके लिए करार प्रवृत्त रहेगा ;
- (ii) निम्नांकक बाध्यताओं की रकम ;
- (iii) अवधि जिसमें निम्नांकक को ऐसे निगमित निकाय द्वारा या उसकी ओर से दी गई सूचना पर निर्गम के लिए अभिदाय करना है ;
- (iv) निम्नांकक को देय दलाली या कमीशन की रकम ;
- (v) निम्नांकक बाध्यताओं की पूर्ति के लिए निम्नांकक द्वारा किए गए हस्तजामों, यदि कोई है के विस्तृत व्योरे ;

15. निम्नांकक के सामान्य उत्तरदायित्व—(1) निम्नांकक निर्गम की निम्नांकन करने से, निम्नांकक के लिए करार के अधीन देय कमीशन या दलाली से शिष्ट, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष फायदे व्युत्पन्न नहीं करेगा ।

(2) नियम 4 के खंड (ख) में निर्दिष्ट सभी करारों के अधीन कुल निम्नांकक बाध्यताएं विनियम 7 में निर्दिष्ट शुद्ध मितिकयत से अधिक नहीं होगी।

(3) सभी निम्नांकक नियम 4 के खंड (ख) में निर्दिष्ट करार के अनुसरण में निगमित निकाय की प्रतिभूतियों के लिए अभिदाय करने की अपेक्षा की दशा में ऐसे निगमित निकाय से ऐसी सूचना की प्राप्ति के 45 दिनों के भीतर ऐसी प्रतिभूतियों के लिए अभिदाय करेंगे।

16. उचित लेखा बहियां और अभिलेख आदि बनाए रखना :—(1) किसी अन्य विधि के उपबंधों के अधधीन, प्रत्येक निम्नांकक निम्नलिखित लेखा, बहियां और दस्तावेज रखेगा और उन्हें बनाए रखेगा अर्थात् :—

(क) निम्नांकक जो निगमित निकाय है, की दिशा में :—

(i) कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 211 और 212 में में यथाविनिर्दिष्ट तुलन पत्र और लाभ हानि लेखा की एक प्रति;

(ii) कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 227 में निर्दिष्ट लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की एक प्रति।

(ख) निम्नांकक, जो निगमित निकाय नहीं है के सम्बन्ध में :—

(i) उनके द्वारा प्राप्त और व्यय की गई सभी धनराशियां और वे बातें जिनकी बाबत प्राप्ति और व्यय होता है के बारे में अभिलेख और

(ii) उनकी आस्तियां और दायित्व।

(2) उप-विनियम (1) पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना प्रत्येक निम्नांकक प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत के पश्चात् यथासंभव शीघ्र किन्तु उक्त अवधि के अंत से छह मास की अपश्चात् यदि ऐसी अपेक्षा की जाए, बोर्ड को तुलनपत्र, लाभ हानि, लेखा, पूंजी पर्याप्तता अपेक्षा के विवरण और ऐसे अन्य दस्तावेजों की प्रतियां देगा जिनकी बोर्ड द्वारा विनियम 16 के अधीन अपेक्षा की जाए।

(3) प्रत्येक निम्नांकक निम्नलिखित की बाबत निम्नलिखित अभिलेख भी बनाए रखेगा :—

(i) नियम 4 के खंड (ख) में निर्दिष्ट सभी करारों के ब्यौरे,

(ii) नियम 4 के खंड (ख) में निर्दिष्ट करार के अनुसरण में प्रत्येक निगमित निकाय की प्रतिभूतियों के लिए किए गए अभिदाय की कुल रकम,

(iii) विनियम 7 में विनिर्दिष्ट पूंजी पर्याप्तता अपेक्षाओं का विवरण;

(iv) ऐसे अन्य अभिलेख जो निम्नांकक के लिए बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं।

(4) प्रत्येक निम्नांकक बोर्ड को उस स्थान की सूचना देगा जहां लेखा बहियां, अभिलेख और दस्तावेज बनाए रखे जाते हैं।

17. लेखा बहियों, अभिलेखों और अन्य दस्तावेजों को बनाए रखने की अवधि :—प्रत्येक निम्नांकक इस अध्याय के अधीन बनाए रखी गई लेखा बहियों और अन्य अभिलेखों और दस्तावेजों को कम से कम पांच वर्ष की अवधि के लिए परिरक्षित करेगा।

18. जानकारी की मांग की शक्ति :—(1) बोर्ड किसी भी समय, निम्नांकक से निम्नांकक कारबार से संबंधित किसी भी विषय पर कोई भी जानकारी की मांग कर सकेगा।

(2) जहां उप-विनियम (1) के अधीन किसी जानकारी की मांग की जाती है, ऐसी जानकारी प्रस्तुत करने की जिम्मेवारी निम्नांकक की होगी।

अध्याय 4

निरीक्षण और अनुशासनिक कार्यवाहियां

19. बोर्ड का निरीक्षण करने का अधिकार :—(1) जहां बोर्ड को ऐसा करना ठीक प्रतीत होता है वहां वह उप-विनियम (2) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों में से किसी के लिए निम्नांकक की लेखा-बहियों, अन्य अभिलेखों और दस्तावेजों का निरीक्षण करने के लिए एक या अधिक व्यक्तियों को निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में नियुक्त कर सकेगा।

(2) उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट प्रयोजन निम्नलिखित होंगे, अर्थात् :—

(क) यह सुनिश्चित करना कि लेखा-बहियों और अन्य अभिलेखों और दस्तावेज अपेक्षित रीति से बनाए रखे जा रहे हैं।

(ख) कि अधिनियम, नियमों और विनियमों के उपबंधों का पालन किया जा रहा है।

(ग) निम्नांकक के क्रियाकलाप से संबंधित किसी विषय पर विनिधानकर्ताओं, अन्य निम्नांकक या किसी अन्य व्यक्ति से प्राप्त शिकायतों का अन्वेषण करना।

(घ) निम्नांकक के कामकाज का प्रतिभूति कारबार या विनिधानकर्ताओं के हित में स्वप्रेरणा से अन्वेषण करना।

20. निरीक्षण के लिए प्रक्रिया :—(1) विनियम 19 के अधीन निरीक्षण करने के पूर्व बोर्ड निम्नांकक को उस प्रयोजन के लिए युक्तियुक्त सूचना देगा।

(2) उप-विनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी जहां बोर्ड का यह समाधान हो जाता है कि विनिधानकर्ताओं के हित में या लोकहित में ऐसी सूचना नहीं दी जानी चाहिए वहां वह लिखित आदेश द्वारा यह निदेश दे सकेगा कि निम्नांकक के कामकाज का निरीक्षण ऐसी सूचना के बिना किया जाए।

(3) बोर्ड द्वारा सशक्त किए जाने पर निरीक्षण प्राधिकारी निरीक्षण करेगा और निम्नांकक जिसके विरुद्ध निरीक्षण किया जा रहा है विनियम 21 के अधीन यथा उपबंधित अपनी बाध्यताओं का निर्वाहन करने के लिए बाध्य होगा।

21. बोर्ड द्वारा निरीक्षण पर निम्नांकक की बाध्यताएं :—

(1) निम्नांकक के जमका निरीक्षण किया जा रहा है; प्रत्येक निदेशक, स्वत्वधारी भागीदार अधिकारी और कर्मचारी का यह कर्तव्य होगा कि वह अपनी अभिरक्षा व नियंत्रण में ऐसी बहियां, लेखा और अन्य दस्तावेज निरीक्षण प्राधिकारी के समक्ष पेश करे और निम्नांकक से संबंधित विवरण और जानकारी ऐसे समय के भीतर उसको प्रस्तुत करे जिसकी निरीक्षण प्राधिकारी अपेक्षा करें।

(2) निम्नांकक निरीक्षण प्राधिकारी को, ऐसे निम्नांकक या उसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति के अधिभोग में परिसरों तक, युक्तियुक्त पहुंच रखने की अनुज्ञा देगा और निम्नांकक या उसकी ओर से किसी ऐसे अन्य व्यक्ति के कब्जे में किन्हीं बहियों, अभिलेखों, दस्तावेजों और कंप्यूटर डाटा का निरीक्षण करने के लिए युक्तियुक्त सुविधा भी प्रदान करेगा तथा दस्तावेजों या अन्य सामग्री की प्रतियां भी देगा जो निरीक्षण—प्राधिकारी की राय में निरीक्षण प्रयोजन के लिए सुसंगत है।

(3) निरीक्षण प्राधिकारी निरीक्षण के अनुक्रम में किसी मुख्य अधिकारी, निदेशक, भागीदार, स्वत्वधारी और कर्मचारी की परीक्षा करने या उनके कथन अभिलिखित करने का हकदार होगा।

(4) हामीदार के प्रत्येक निदेशक, स्वत्वधारी भागीदार अधिकारी या कर्मचारी का यह कर्तव्य होगा कि वह निरीक्षण प्राधिकारी को निरीक्षण के सम्बन्ध में वह सभी सहायता दे जिसके दिए जाने की निम्नांकक से युक्तियुक्त रूप से आशा की जा सकती है।

22. बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करना :—निरीक्षण प्राधिकारी बोर्ड को निरीक्षण रिपोर्ट यथासंभव शीघ्र प्रस्तुत करेगा।

23 निम्नांकक को निष्कर्षों आदि की संसूचना :—(1) बोर्ड निरीक्षण रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, इसके पूर्व की निरीक्षण प्राधिकारी के निष्कर्षों पर बोर्ड द्वारा कोई कार्यवाही की जाए, निम्नांकक को सुने जाने का अवसर देने के लिए उसे निष्कर्षों की सूचना देगा।

(2) निम्नांकक से स्पष्टीकरण की प्राप्ति पर यदि कोई हो, बोर्ड निम्नांकक से ऐसे उपाय करने की अपेक्षा कर सकेगा जो बोर्ड प्रतिभूति बाजार के हित में और अधिनियम, नियमों और विनियमों के उपबंधों के सम्यक पालन के लिए उचित समझे।

24. लेखा परीक्षक की नियुक्ति :—ऊपर किसी बात के होते हुए भी बोर्ड निम्नांकक की लेखा बहियों या कामकाज का अन्वेषण करने के लिए अर्हित लेखापरीक्षक की नियुक्ति कर सकेगा :

परन्तु यह कि इस प्रकार नियुक्त लेखापरीक्षक को निरीक्षण प्राधिकारी की वही शक्तियां होंगी जो विनियम 19 में वर्णित हैं और विनियम 21 में निम्नांकक और उसके कर्मचारियों की बाध्यताएं इस विनियम के अधीन अन्वेषण को लागू होंगी।

स्पष्टीकरण—इस विनियम के प्रयोजनों के लिए—“अर्हित लेखापरीक्षक” पद का वही अर्थ होगा जो इसे कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 226 में दिया है।

अध्याय-5

व्यतिक्रम की दशा में कार्रवाई के लिए प्रक्रिया

25 व्यतिक्रम की दशा में कार्रवाई के लिए दायित्व :—

(1) कोई निम्नांकक या स्टॉक दलाल या मर्चेन्ट बैंकार जो नियम 3 के अधीन बिना अलग प्रमाणपत्र अभिप्राप्त किए निम्नांकक का कारबार करने का हकदार है, जो :—

(क) किन्हीं शर्तों का पालन करने में असफल रहेगा जिनके अधीन रहते हुए प्रमाणपत्र दिया गया है।

(ख) अधिनियम, नियमों या विनियमों के किन्हीं उपबंधों का उल्लंघन करेगा।

उप-विनियम (2) में विनिर्दिष्ट शास्तियों में से किसी का भी दायी होगा।

(2) उप-विनियम (1) में विनिर्दिष्ट शास्तियां या तो :—

(क) जांच के पश्चात् किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए रजिस्ट्रीकरण का निलंबन या

(ख) रजिस्ट्रीकरण का रद्दकरण हो सकेंगी।

26 प्रमाणपत्र का निलंबन रद्दकरण :—(1) निम्नांकक को दिए गए प्रमाणपत्र या अधिनियम की धारा 12 के अधीन स्टॉक दलाल को दिए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र या मर्चेन्ट बैंकार जो निम्नांकक का कारबार करने का

हकदार है और नियम 3 के अधीन अभिप्राप्त प्रमाणपत्र के निलंबन की शास्ति तब अधिरोपित की जा सकेगी जब निम्नांकक जैसे कि स्टॉक दलाल या मर्चेन्ट बैंककार :—

(1) अधिनियम, नियमों या विनियमों के उपबंधों का अतिक्रमण करता है।

(2) अनुसूची 3 में विनिर्दिष्ट आचार संहिता का अनुसरण नहीं करता है।

(3) (क) निम्नांकक के उसके कारबार में संबंधित कोई जानकारी जिसकी बोर्ड द्वारा अपेक्षा की जाए देने में असफल रहता है।

(ख) गलत या मिथ्या जानकारी देता है।

(ग) बोर्ड द्वारा अपेक्षित कालिक विवरणियां प्रस्तुत नहीं करता है।

(घ) बोर्ड द्वारा संचालित किसी जांच में सहयोग नहीं करता है।

(4) छलसाधन या कीमत में धोखाधड़ी करने या बाजार को मुट्ठी में करने के क्रियाकलाप में लगता है।

(5) अवचार, अनुचित, कारबार, रीति विरुद्ध या अव्यक्तिक आचरण का दोषी है :

(6) विनियम 7 के उपबंधों के अनुसार पूंजी पर्याप्तता अपेक्षा बनाए रखने में असफल रहता है।

(7) विनियम 12 में विनिर्दिष्ट फीस का संदाय करने में असफल रहता है।

(8) रजिस्ट्रीकरण की शर्तों का अतिक्रमण करता है।

(9) उसकी निम्नांकन बाध्यताओं को पूरा करने में असफल रहता है :

परन्तु यह कि बोर्ड उन कारणों में जो लेखबद्ध किए जाएंगे ऊपर वर्णित प्रकार के बारंबार व्यतिक्रमों की दशा में निम्नांकक के प्रमाणपत्र या स्टॉक दलाल या मर्चेन्ट बैंककार पर अधिनियम की धारा 12 के अधीन दिए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के रद्दकरण की शास्ति अधिरोपित कर सकेगा।

(2) किसी निम्नांकक को दिए गए प्रमाणपत्र या स्टॉक दलाल या मर्चेन्ट बैंककार को नियम 3 के अधीन निम्नांकन कारबार करने के हकदार करने के लिए अधिनियम की धारा 12 के अधीन दिए गए रजिस्ट्रीकृत प्रमाणपत्र के रद्दकरण की शास्ति तब अधिरोपित की जा सकेगी जहां वे :—

(1) प्रतिभूति बाजार और विनिधानकर्ताओं के हित पर प्रभाव डालने वाले जानबूझकर छलसाधन या कीमत में धोखाधड़ी या बाजार मुट्ठी में करने के क्रियाकलाप में लगते हैं।

(2) विनियम 7 में निर्दिष्ट पूंजी पर्याप्तता को पूरा करने में असफल रहते हैं :

(3) कपट के दोषी या दांडिक अपराध के लिए दोषयिद्ध हैं।

(4) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार) विनियम, 1992 के किन्हीं उपबंधों का अतिक्रमण करते हैं, या

(5) अधिनियम, नियमों और विनियमों के उपबंधों का अतिक्रमण करते हैं।

(6) एक से अधिक बार उनकी निम्नांकन बाध्यताओं को पूरा करने में असफल रहते हैं।

27. प्रमाणपत्र के निलंबन और रद्दकरण के आदेश देने की रीति :—निलंबन या रद्दकरण की शास्ति का आदेश विनियम 28 में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार जांच करने के पश्चात् ही किया जाएगा अन्यथा नहीं।

28. निलंबन या रद्दकरण से पहले, जांच करने की रीति :—

(1) विनियम 27 के अधीन जांच करने के प्रयोजन के लिए बोर्ड एक जांच अधिकारी की नियुक्ति कर सकेगा।

(2) जांच अधिकारी निम्नांकक को निम्नांकक के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय या कारबार के मुख्य स्थान पर सूचना जारी करेगा।

(3) निम्नांकक ऐसी सूचना की प्राप्ति की तारीख से तीस दिन के भीतर जांच अधिकारी को दस्तावेजों या अन्य साक्ष्य सहित, जिसका उन्होंने आश्रय लिया है या जो बोर्ड द्वारा निम्नांकक से अपेक्षित किया गया है, उत्तर प्रस्तुत करेगा।

(4) जांच अधिकारी निम्नांकक को उप-विनियम (3) के अधीन दिए गए उसके उत्तर के समर्थन में निवेदन करने के लिए उसे समर्थ करने के लिए उसे सुने जाने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

(5) निम्नांकक जांच अधिकारी के समक्ष या तो स्वयं या निम्नांकक की ओर से सम्यक रूप से प्राधिकृत किसी व्यक्ति की मार्फत हाजिर हो सकेगा।

परन्तु यह कि किसी भी वकील या अधिवक्ता को जांच में निम्नांकक का प्रतिनिधित्व करने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी :

परन्तु यह और कि जहां बोर्ड द्वारा वकील या अधिवक्ता को उप-विनियम (6) के अधीन उपस्थित अधिकारी (प्रेजेंटिंग आफिसर) के रूप में नियुक्त किया गया है वहां किसी वकील या अधिवक्ता की मार्फत अपना मामला उपस्थित करना निम्नांकक के लिए विधिपूर्ण होगा।

(6) यदि यह आवश्यक समझा जाता है तो जांच अधिकारी बोर्ड से उसका मामला उपस्थित करने के लिए उपस्थित अधिकारी नियुक्त करने को कह सकेगा।

(7) जांच अधिकारी सभी सुसंगत तथ्यों और निम्नांकक द्वारा किए गए निवेदनों पर विचार करने के पश्चात् बोर्ड को

रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा और अधिनिर्णीत किए जाने के लिए शास्ति और प्रस्तावित शास्ति के औचित्य पर सिफारिश करेगा।

29. कारण बताओ सूचना और आदेश :—(1) जांच अधिकारी से रिपोर्ट की प्राप्ति कर बोर्ड उस पर विचार करेगा और कारण बताओ सूचना जारी करेगा कि वह शास्ति जो वह उचित समझता है क्यों न अधिरोपित की जाए।

(2) निम्नांकक कारण बताओ सूचना की प्राप्ति की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर बोर्ड को उत्तर भेजेगा।

(3) बोर्ड कारण बताओ सूचना के उत्तर पर, यदि प्राप्त हुआ हो, विचार करने के पश्चात् यथा संभव शीघ्र किन्तु उत्तर की यदि कोई हो प्राप्ति से तीन दिन के अपश्चात् ऐसा आदेश पारित करेगा जो वह ठीक समझे।

(4) उप-विनियम (3) के अधीन पारित प्रत्येक आदेश स्वतः पूर्ण होगा और उसे कथित निष्कर्षों के लिए, जिन के अंतर्गत उस आदेश द्वारा अधिरोपित शास्ति के लिए औचित्य है, कारण दिए जाएंगे।

(5) बोर्ड उप-विनियम (3) के अधीन आदेश की एक प्रति निम्नांकक को भेजेगा।

30. निम्नांकक को दिए गए प्रमाणपत्र के निम्नलिखित और रद्दकरण का प्रभाव :—(1) प्रमाण या स्टॉक दलाल को दिए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र या अधिनियम की धारा 12 के अधीन मर्चेन्ट बैंककार के निम्नलिखित की तारीख से ही निम्नांकक निम्नलिखित की अवधि के दौरान निम्नांकक के रूप में कार्य करना बंद कर देगा।

परन्तु यह कि बोर्ड विनिधानकर्ताओं और प्रतिभूति बाजार के हित में, निम्नांकक को नियम 4 के खंड (ख) में निर्दिष्ट करार की निम्नांकक बाध्यताओं का पूरा करने की अनुज्ञा दे सकेगा।

(2) प्रमाणपत्र या स्टॉक दलाल को दिए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र या अधिनियम की धारा 12 के अधीन मर्चेन्ट बैंककार, रद्दकरण की तारीख से ही, निम्नांकक, तुरन्त प्रभावी रूप से निम्नांकक के रूप में कार्य करना बंद कर देगा।

31. निम्नलिखित के आदेश का प्रकाशन :—विनियम 29 के उप-विनियम (3) के अधीन पारित बोर्ड का आदेश, बोर्ड द्वारा कम से कम दो दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाएगा।

32. केन्द्रीय सरकार को अपील :—विनियमों के अधीन बोर्ड के आदेश से व्यथित कोई व्यक्ति, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (केन्द्रीय सरकार को अपील) नियम 1993 के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपील कर सकेगा।

जी. वी. रामकृष्ण, अध्यक्ष,
(भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड)

अनुसूची 1—प्रारूप क

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निम्नांकक)

विनियम, 1993

(विनियम 3)

निम्नांकक के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन

आवेदक का नाम और उसकी प्रास्थिति
..... (कि क्या स्वत्वधारी समुत्थान/फर्म/व्यक्ति/संगम/व्यक्ति निकाय/निगमित निकाय, है)

मुख्य अधिकारी का नाम और पदनाम :

पता

दूरभाष सं.

अनुदेश :

1. आवेदकों को समर्थन दस्तावेजों सहित पूरी तरह से भरा हुआ आवेदन प्रारूप भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड को प्रस्तुत करना चाहिए।

2. आवेदन के सभी स्तंभ भरने चाहिए। यदि कोई स्तंभ सुसंगत या लागू नहीं है तो उसे विनिर्दिष्ट करना चाहिए।

3. जिस जानकारी के अधिक ब्यौरे देना आवश्यक है वह पृथक पन्नों पर लिखी जा सकेगी जिसे आवेदन प्रारूप के साथ संलग्न किया जाना चाहिए।

4. रजिस्ट्रीकरण के लिए सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित प्रारूप की मूल प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए।

भाग-1

साधारण जानकारी

1. आवेदक के ब्यौरे :

1.1 आवेदक का नाम :

1.2 आवेदक का पता :

पिन कोड— दूरभाष सं. —

टेलेक्स सं. — फैक्स सं. —

1.3 पत्र व्यवहार के लिए आवेदक का पता :

पिन कोड— दूरभाष सं. —

टेलेक्स सं. — फैक्स सं. —

1.4 आवेदक के (भारत में) शाखा कार्यालयों का पता, यदि कोई हो :—

1.5 क्या प्रमाण पत्र दिए जाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम 1992 के अधीन कोई अन्य आवेदन किया गया है, यदि हां तो उसके ब्यौरे दें :—

2. संगठन संरचना :
- 2.1 आवेदक के संगठन के उद्देश्य
(संगठन के उद्देश्यों के समर्थन में भागीदारी विलेख/चाटर्/संगम ज्ञापन/संगम-अनुच्छेदों जैसे सुसंगत दस्तावेजों से उद्धरण संलग्न करें) ।
- 2.2 आवेदक के संगठन के निगमन/स्थापना की तारीख और स्थान
- | दिन | मास | वर्ष | स्थान |
|-----|-----|------|-------|
|-----|-----|------|-------|
- 2.3 आवेदन की प्राप्ति (यह विनिर्दिष्ट करें कि क्या स्वत्वधारी, भागीदारी, व्यक्ति संगम, व्यक्ति-निकाय, लिमिटेड कंपनी—पब्लिक/प्राइवेट अन्य है। यदि सूचीबद्ध है तो स्टॉक एक्सचेंज का नाम और नवीन-तम शेयर कीमत: उच्च और निम्न) ।
- 2.4 विभिन्न स्तरों पर कृषिक उत्तरदायित्व कथित करते हुए संगठन चाटर्
- 2.5 सभी निदेशकों/स्वत्वधारियों/भागीदारों/प्रबंधकों/अधिकारियों के ब्यौरे :
- [नाम, ग्रहता, अनुभव, नियुक्ति की तारीख, अन्य निदेशक पद, (नाम और नियुक्ति की तारीख) पहले धारित पद]
- 2.6 कर्मचारियों की संख्या
- 2.7 सहयुक्त कंपनियों/समुत्थानों का नाम और क्रिया-कलाप: नाम पता/दूरभाष संख्या/क्रियाकलाप का प्रकार/स्वामित्व ब्यौरे/वित्तीय व्यापार की प्रकृति और मात्रा ।
- 2.8 आवेदक के निगमित निकाय होने की दशा में कृपया मुख्य शेयरधारकों की सूची दें। (जो 5 प्रतिशत या अधिक मतदान अधिकार धारण करते हैं) ।
- 3.0 अवसंरचना सुविधाओं के ब्यौरे :
- 3.1 कार्यालय की जगह (उपलब्ध, क्षेत्र की मात्रा और स्वामित्व ब्यौरे का वर्णन करें)
- 3.2 कार्यालय उपस्कर (इलैक्ट्रॉनिक कार्यालय उपस्कर, टंकणयंत्रों, दूरसंचार उपस्कर, फर्नीचर और फिक्सचर, अन्य संचार सुविधाओं आदि ब्यौरे का वर्णन करें) ।
- 4.0 कारख़ार योजना (तीन वर्षों के लिए)
- (क) इतिहास, मुख्य उपलब्धियां और वर्तमान क्रियाकलाप
5. वित्तीय जानकारी
- 5.1 पूंजी संरचना (लाख रुपए में)
- चालू वर्ष पूर्वगामी वर्ष पूर्व वर्ष दूसरा वर्ष तीसरा वर्ष
- (क) समादत्त पूंजी
- (ख) खुली आरक्षितियां (पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों को छोड़कर)
- (ग) योग (क) + (ख)
- (घ) उधार (ब्यौरे)
- (ङ.) शुद्ध लाभ
- (1) सामान्य
- (2) विनिर्दिष्ट
- टिप्पणी : — भागीदारी या स्वत्वधारी समुत्थानों की दशा में कृपया पूंजी घटा आहरण दर्शित करें ।
- 5.2 संसाधनों का अभिनियोजन
- (क) स्थिर आस्तियां
- (ख) संयंत्र और मशीनरी और कार्यालय उपस्कर
- (ग) विनिधान (ब्यौरे पृथक दिए जाएं)
- (घ) अन्य
- 5.3 विभिन्न स्रोतों से अनुमानित लाभ के मुख्य स्रोत
- (रुपए लाखों में)
- | चालू वर्ष | पूर्वगामी वर्ष | पूर्व वर्ष | दूसरा वर्ष | तीसरा वर्ष |
|-----------|----------------|------------|------------|------------|
|-----------|----------------|------------|------------|------------|
- 5.4 कृपया तीन वर्षों के परीक्षित वार्षिक लेखा संलग्न करें। जहां अपरीक्षित रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है वहां कारण बताएं ।
- 5.5 मुख्य बैंककारों का नाम और पता :
- 5.6 लेखा परीक्षकों (आंतरिक, बाह्य और कर लेखा-परीक्षक, यदि कोई हो, का नाम और पता, जैसे लागू हो) ।
6. अन्य जानकारी
- 6.1 पिछले तीन वर्षों में नैतिक अधमता/आर्थिक उपरोधों से संबंधित किन्हीं अपराधों से संबंधिता उपदर्शित करें ।
- 6.2 कम्पनी द्वारा दी गई सेवाओं की प्रकृति से सुसंगत समझी गई कोई अन्य जानकारी ।
- भाग-2
7. कारख़ार जानकारी
- 7.1 पूंजी निगमों के विपणन सामर्थ्य को उपदर्शित करें ।
- 7.2 उपदर्शित करें कि निम्नांकित से संबंधित निर्णय प्रायः कैसे लिए जाते हैं ।

7.3 उपलब्ध विभिन्न अनुसंधान और डाटाबेस सुविधाओं को उपदर्शित करें।

7.4 निर्गमकर्ता से हमीवारी क्रियाकलाप के लिए किए गए विशिष्ट-संविधा की प्रति संलग्न करें।

8. अनुभव

8.1 निम्नांकित क्रियाकलाप में अनुभव (कम्पनी का नाम निर्गम के ब्योरे पूर्वगामी तीन वर्षों में की गई निम्नांकित की रकम उपदर्शित करें)

8.2 अन्य की गई वित्तीय सेवाओं में अनुभव: (अवधि, क्षेत्र और क्रियाकलाप प्रारम्भ करने की तारीख)

8.3 निम्नांकित से संबंधित सभी अपरनिर्धारित और लंबित विकास/विवादों के ब्योरे —

विवाद की प्रकृति पार्टी का नाम लंबित/निपटारा गया

8.4 किसी कंपनी से निम्नांकित व्यक्तिकर और उसके लिए कारणों को उपदर्शित करें।

घोषणा

यह घोषणा मुख्य अधिकारी/यों द्वारा हस्ताक्षरित की जानी चाहिए।

मैं/हम बोर्ड द्वारा रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र दिए जाने के लिए इसके द्वारा आवेदन करता हूँ/करते हैं। मैं/हम वारंटी देता हूँ/देते हैं कि मैं/हम अपने कर्तव्यों का पालन अधिनियम, नियमों वित्तियों के अनुसार करूँगा/करेंगे।

मैं/हम वारंटी देता हूँ कि मैं/हम ने ऊपर प्रश्नों के सचार्ड से और पूर्ण रूप से उत्तर दिए हैं और सभी जानकारी दी है जो मेरे/हमारे रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र दिए जाने के प्रयोजनों के लिए युक्तियुक्त रूप से सुसंगत समझी जा सकती है। और मैं/हम उस अवधि के दौरान जिसमें मेरे/हमारे रजिस्ट्रीकरण पर विचार किया जा रहा है और उसके पश्चात मेरा/हमारा रजिस्ट्रीकरण स्वीकार किया जाता है, जानकारी में किन्हीं परिवर्तनों की बोर्ड को तत्परता से सूचना दूँगा/देंगे।

मैं/हम जानता हूँ/जानते हैं कि बोर्ड को धोखा देने या धोखा देने का प्रयत्न करने से आवेदक अनुशासनिक कार्यवाहियों के लिए दायी हो जाएगा।

मैं/हम प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि अपर्युक्त जानकारी तथा आवेदन प्रारूप में दी गई जानकारी सत्य, पूर्ण और सही है।

के लिए और उसकी ओर से

अनुसूची 1 प्रारूप

प्रारूप ख

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निम्नांकक) विनियम, 1993

(विनियम 8)

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र

1. बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 के अधीन निम्नांकक के लिए बनाए गए नियमों और विनियमों के साथ पठित उस अधिनियम की धारा-12 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नांकक के रूप में, _____ को विनियमों की शर्तों के अधीन रहते हुए और विनियमों के अनुसार, इसके द्वारा रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र देता है।

2. निम्नांकक का रजिस्ट्रीकरण कोड—_____ है।

3. जब तक तब्युक्त न किया जाए, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र _____ से _____ तक विधिमान्य है।

स्थान :

आदेश से

तारीख :

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के लिए और उसकी ओर से

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

अनुसूची-2

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निम्नांकक) विनियम, 1993

(विनियम 12)

फीस

1. इस अनुसूची के पैरा 3 और 4 के अधीन रहते हुए, सभी निम्नांकक, रजिस्ट्रीकरण फीस संदाय निम्नानुसार विनिर्दिष्ट रीति में करेंगे :

- (1) प्रारंभिक प्रमाणपत्र देने की तारीख में, प्रथम वर्ष की किस्त के रूप में रुपये 2 लाख।
- (2) प्रारंभिक प्रमाणपत्र देने की तारीख में, दूसरे वर्ष की किस्त के रूप में रुपये 2 लाख।
- (3) प्रारंभिक प्रमाणपत्र देने की तारीख से तीसरे वर्ष की किस्त के रूप में रुपये 1 लाख।

2. इस अनुसूची के पैरा (3) और (4) के अधीन रहते हुए सभी निम्नांकक प्रमाणपत्र को प्रभावी रखने या

2284 GI/93—2

(आवेदक का नाम)

(आवेदक का नाम)

स्थान

स्थान :

तारीख :

तारीख :

2284 GI/93—2

उसके नवीकरण के लिए प्रत्येक वर्ष रु. 20,000 की छिम का संदाय करेंगे।

3. (क) उपर्युक्त पैरा 1 और 2 में निर्दिष्ट प्रथम किस्त का संदाय विनियम 8 के अधीन, बोर्ड द्वारा जारी सूचना तारीख से 15 दिन की भीतर करना होगा।

(ख) पैरा 1 में उल्लिखित दूसरी और तीसरी किस्त का संदाय प्रारंभिक रजिस्ट्रीकरण देने की तारीख से 12 माह की अवधि समाप्ति दिवस को या उससे पूर्व किया जाएगा।

(ग) पैरा 2 में निर्दिष्ट फीम का संदाय, पूर्वगत कलेंडर वर्ष में फीम के संदाय से 12 माह की अवधि समाप्ति दिवस को या उसके पूर्व किया जाएगा।

4. उपर्युक्त पैरा 1 और 2 में निर्दिष्ट फीस का संदाय, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, बम्बई के पक्ष में जारी चेक या बैंक ड्राफ्ट द्वारा करना होगा।

अनुसूची-3

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निम्नांकक) विनियम,
1993

आचार संहिता

(विनियम 13)

1. सभी निम्नांकक अपने कारबार के संचालन में अपने ग्राहकों और अन्य निम्नांककों के साथ अपने सभी व्यवहारों में ईमानदारी, गरिमा और औचित्य के उच्च मानकों का पालन करेंगे।

2. निम्नांकक यह सुनिश्चित करेगा कि वह और उसके कार्मिक प्रतिभूति के निर्गम करने वाले निगमित निकाय के साथ सभी व्यवहारों में सदाचार रूप से में कार्य करेंगे।

3. प्रत्येक निम्नांकक सभी समय सेवा का उच्च स्तर बनाए रखेगा, सम्यक तत्परता, उचित सावधानी सुनिश्चित करेगा और अपने स्वतंत्र व्यावसायिक निर्णयों को प्रयुक्त करेगा।

4. प्रत्येक निम्नांकक, निम्नांकन सेवाएं उपलब्ध करवाने समय, निर्गामी कंपनी को उसके संभावित स्रोत या कर्तव्यों और हितों के संभावित विरोध के संभाव्य क्षेत्रों का प्रकटीकरण करेगा।

5. निम्नांकक अनुचित प्रतियोगिता (प्रतिस्पर्धा) में नहीं लगेगा जो अन्य निम्नांककों, जो निम्नांककों का कारबार करते हैं, के हितों के लिए अपहानिकर होनी संभाव्य है या जिससे किसी अन्य कार्य के क्रियान्वित करने या स्पर्धा करते हुए ऐसे निम्नांककों का निम्नांकक के संबंध में अहितकर स्थिति में पड़ जाना संभाव्य है।

6. कोई भी निम्नांकक कोई ऐसा कथन, मौखिक या लिखित नहीं करेगा, जो :-

(क) निम्नांकक, जिन सेवाओं को करने में समर्थ है या जो अन्य निर्गमकर्ता कंपनी को दी गई है का दुर्व्यपदेशन करें ;

(ख) उसकी निम्नांकन प्रतिबद्धता का दुर्व्यपदेशन करें।

7. कोई भी निम्नांकक बोर्ड को विनियमों के अधीन यथा अपेक्षित प्रकटीकरण और निर्गमकर्ता कंपनी के निदेशक मंडल को भी प्रकटीकरण करने के बिना, किसी अन्य निर्गमकर्ता, प्रेस या अन्य पक्ष को निर्गमकर्ता कंपनी के बारे में कोई गोपनीय जानकारी प्रकट नहीं करेगा, जो उसके ज्ञान में किसी भी निर्गमकर्ता कंपनी के प्रतिभूति व्यवहार में आई हो।

8. कोई भी निम्नांकक, बोर्ड को प्रस्तुत किसी भी वस्ता-वेज, रिपोर्ट, कागजपत्रों या सूचना में जानबूझकर कोई असत्य कथन नहीं करेगा या किसी तात्त्विक तथ्य को नहीं छिपाएगा।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Bombay, the 8th October, 1993

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (UNDERWRITERS) REGULATIONS, 1993

No. LE/10/93.—In exercise of the powers conferred by section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely :—

CHAPTER I

Preliminary

1. Short title and commencement.—(1) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Underwriters) Regulations, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires,—

(a) “enquiry officer” means any officer of the Board, or any other person, having experience in dealing with the problems relating to the securities market, who is appointed by the Board under Chapter V;

(b) “form” means a form specified in Schedule I;

- (c) "inspecting authority" means one or more persons appointed by the Board to exercise powers conferred under Chapter IV;
- (d) "principal officer" means,—
- in relation to a proprietary concern, the proprietor himself;
 - in relation to a firm or an association of persons or any body of individuals or a body corporate, a secretary, treasurer, partner, manager or director of the firm, association, or body corporate;
 - any person connected with the management or administration of the firm, association or the body corporate upon whom the Board has served a notice of the intention of treating him as the principal officer thereof;
- (e) "regulations" means Securities and Exchange Board of India (Underwriters) Regulations, 1993;
- (f) "rules" means Securities and Exchange Board of India (Underwriters) Rules 1993;
- (g) all other words and expressions used in these regulations but not defined, and defined in the Act and the rules shall have the same meanings respectively assigned to them in the Act or the rules, as the case may be.

CHAPTER II

Registration of Underwriters

3. Application for grant of Certificate.—(1) An application by an underwriter for grant of a certificate shall be made to the Board in Form A.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), any application made by an underwriter prior to coming into force of these regulations containing such particulars or as near thereto as mentioned in Form A shall be treated as an application made in pursuance of sub-regulation (1) and dealt with accordingly.

4. Furnishing of further information, clarification, etc.—(1) The Board may require the applicant to furnish further information or clarification regarding matters relevant to underwriting to consider the application for grant of a certificate.

(2) The applicant or, its principal officer shall, if so required, appear before the Board for personal representation.

5. Application to conform to the requirements :—Subject to the provisions of sub-regulation (2) of regulation 3, any application, which is not complete in all respects and does not conform to the instructions specified in the form, shall be rejected :

Provided that, before rejecting any such application, the applicant shall be given an opportunity to remove within the time specified such objections as may be indicated by the Board.

2284 GI/93—3.

6. Consideration of application.—The Board shall take into account for considering the grant of a certificate, all matters which are relevant to or relating to underwriting and in particular the following, namely, whether the applicant,—

- has the necessary infrastructure like adequate office space, equipments, and manpower to effectively discharge his activities;
- has any past experience in the underwriting or has in his employment minimum two persons who had the experience in underwriting;
- or any person, directly or indirectly connected with the applicant has not been granted registration by the Board under the Act;
- fulfils the capital adequacy requirements specified in regulation 7;
- or any of its director, partner or principal officer is or has at any time been convicted for any offence involving moral turpitude or has been found guilty of any economic offence.

7. Capital adequacy requirement.—(1) The capital adequacy requirement referred to in sub-regulation (d) of regulation 6 shall not be less than the networth of rupees twenty lakhs.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1),—

- every stock broker, who acts as an underwriter shall fulfil the capital adequacy requirements specified by the stock exchange of which he is a member;
- every merchant banker, who acts as an underwriter shall fulfil the capital adequacy requirements specified in regulation 7 of the Securities and Exchange Board of India (Merchant Banker) Regulations 1992.

Explanation : For the purposes of this regulation, "networth" means,—

- in the case of an applicant being a proprietary concern or a firm or an association of persons or any body of individuals, the value of capital contributed to such business by the applicant and the free reserves of any kind belonging to the business of the applicant; and
- in the case of a body corporate, the value of the paid up capital and the free reserves as disclosed in the books of accounts of the applicant at the time of making the application under sub-regulation (1) of regulation 3.

8. Procedure for registration.—The Board on being satisfied that the applicant is eligible, shall send an intimation to the applicant mentioning that he has been found eligible for the grant of certificate and grant a certificate in Form B subject to payment of fees as specified in regulation 12.

9. **Renewal of certificate.**—(1) An underwriter may, if he so desires, make an application in Form A for renewal of certificate before three months of the expiry of the period of certificate.

(2) The application for renewal of certificate under sub-regulation (1) shall be dealt with in the same manner as if it were an application for grant of a certificate made under regulation 3.

10. **Procedure where registration is not granted.**—(1) Where an application for grant of a certificate under regulation 3 or of renewal under regulation 9 does not fulfil the requirements set out in regulation 6, the Board may reject the application, after giving an opportunity of being heard.

(2) The refusal to grant, or renew the certificate shall be communicated by the Board within thirty days of such refusal to the applicant stating therein the grounds on which the application has been rejected.

(3) Any applicant may, being aggrieved by the decision of the Board under sub-regulation (2) apply within a period of thirty days from the date of receipt of such intimation, to the Board for reconsideration of its decision.

(4) On receipt of the application made under sub-regulation (3), the Board shall reconsider its decision and communicate its findings thereon as soon as possible in writing to the applicant.

11. **Effect of refusal to grant or renew certificate.**—Any underwriter whose application for grant or renewal of a certificate has been refused by the Board shall on and from the date of the receipt of the communication under sub-regulation (2) of regulation 10 cease to act as an underwriter.

12. **Payment of fees and the consequences of failure to pay fees.**—(1) Every applicant eligible for grant or renewal of a certificate shall pay fees in such manner and within the period specified in Schedule II.

Provided that the Board may on sufficient cause being shown permit the underwriter to pay such fees at any time before the expiry of six months from the date on which such fees become due.

Provided further that a stock broker or a merchant banker who has been granted a certificate under Section 12 of the Act and pays fees under the Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992 or Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992 shall not be required to pay fees under sub-regulation (1).

(2) Where an underwriter fails to pay the fees as provided in sub-regulation (1), the Board may suspend the certificate, whereupon the underwriter shall forthwith cease to act as an underwriter.

CITATION III

General obligations and responsibilities

13. **To abide by the Code of Conduct.**—Every underwriter shall at all times abide by the Code of Conduct as specified in Schedule III.

14. **Agreement with clients.**—Every underwriter shall enter into an agreement referred to in clause (b) of rule 4 with each body corporate on whose behalf he is acting as underwriter and the said agreement shall, amongst other things, provide for the following, namely :—

- (i) the period for which the agreement shall be in force;
- (ii) the amount of underwriting obligations;
- (iii) the period, within which the underwriter has to subscribe to the issue after being intimated by or on behalf of such body corporate;
- (iv) the amount of commission or brokerage payable to the underwriter;
- (v) details of arrangements, if any, made by the underwriter for fulfilling the underwriting obligations.

15. **General responsibilities of an underwriter.**—(1) The underwriter shall not derive any direct or indirect benefit from underwriting the issue other than the commission or brokerage payable under an agreement for underwriting.

(2) The total underwriting obligations under all the agreements referred to in clause (b) of rule 4 shall not exceed twenty times the networth referred to in regulation 7.

(3) Every underwriter, in the event of being called upon to subscribe for securities of a body corporate pursuant to an agreement referred to in clause (b) of rule 4 shall subscribe to such securities within 45 days of the receipt of such intimation from such body corporate.

16. **To maintain proper books of accounts and records, etc.**—(1) Subject to the provisions of any other law, every underwriter shall keep and maintain the following books of accounts and documents, namely :—

- (a) in relation to underwriter being a body corporate —
 - (i) a copy of the balance sheet and profit and loss account as specified in sections 211 and 212 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
 - (ii) a copy of the auditor's report referred to in section 227 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).
- (b) in relation to an underwriter not being a body corporate—
 - (i) records in respect of all sums of money received and expended by them and the matters in respect of which the receipt

and expenditure take place; and

(ii) their assets and liabilities.

(2) Without prejudice to sub-regulation (1), every underwriter shall, after the close of each financial year as soon as possible but not later than six months from the close of the said period furnish to the Board if so required copies of the balance sheet, profit and loss account, statement of capital adequacy requirement and such other documents as may be required by the Board under regulation 16.

(3) Every underwriter shall also maintain the following records with respect to—

- (i) detail of all agreements referred to in clause (b) of rule 4;
- (ii) total amount of securities of each body corporate subscribed to in pursuance of an agreement referred to in clause (b) of rule 4;
- (iii) statement of capital adequacy requirements as specified in regulation 7;
- (iv) such other records as may be specified by the Board for underwriting.

(4) Every underwriter shall intimate to the Board the place where the books of accounts, records and documents are maintained

17. Period of maintenance of books of accounts, records and other documents.—Every underwriter shall preserve the books of account and other records and documents mentioned under this chapter for a minimum period of five years

18. Power to call for information.—(1) The Board may at any time call for any information from an underwriter with respect to any matter relating to underwriting business.

(2) Where any information is called for under sub-regulation (1) it shall be the duty of the underwriter to furnish such information

CHAPTER IV

Inspection and disciplinary proceedings

19. Board's right to inspect.—(1) Where it appears to the Board so to do, it may appoint one or more persons as inspecting authority to undertake the inspection of the books of accounts, other records and documents of the underwriter for any of the purposes specified in sub-regulation (2).

(2) The purposes referred to in sub-regulation (1) shall be as follows, namely :—

- (a) to ensure that the books of accounts and other records and documents are being maintained in the manner required;
- (b) that the provisions of the Act, rules and regulations are being complied with;

(c) to investigate into the complaints received from investors, other underwriters or any other person on any matter having a bearing on the activities of the underwriters; and

(d) to investigate suo-moto in the interest of securities business or investors' interest into the affairs of the underwriter.

20. Procedure for inspection.—(1) Before undertaking an inspection under regulation 19 the Board shall give a reasonable notice to the underwriter for that purpose.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), where the Board is satisfied that in the interest of the investors or in the public interest no such notice should be given, it may by an order in writing direct that the inspection of the affairs of the underwriter be taken up without such notice.

(3) On being empowered by the Board, the inspecting authority shall undertake the inspection and the underwriter against whom an inspection is being carried out shall be bound to discharge his obligations as provided under regulation 21.

21. Obligations of underwriter on inspection by the Board.—(1) It shall be the duty of every director, proprietor, partner, officer and employee of the underwriter who is being inspected to produce to the inspecting authority such books, accounts and other documents in his custody or control and furnish him with the statements and information relating to an underwriter within such time as the inspecting authority may require.

(2) The underwriter shall allow the inspecting authority to have a reasonable access to the premises occupied by such underwriter or by any other person, on his behalf and also extend reasonable facility for examining any books, records, documents and computer data in the possession of the underwriter or any such other person or their behalf and also provide copies of documents or other material which in the opinion of the inspecting authority are relevant for the purposes of the inspection.

(3) The inspecting authority shall in the course of inspection, be entitled to examine or record statements of any principal officer, director, partner, proprietor and employee.

(4) It shall be the duty of every director, proprietor, partner, officer or employee of the underwriter to give to the inspecting authority all assistance in connection with the inspection which the underwriter may reasonably be expected to give.

22. Submission of report to the Board.—The inspecting authority shall, as soon as may be possible, submit an inspection report to the Board.

23. Communication of findings etc. to the underwriter.—(1) The Board shall after consideration of the inspection report communicate the findings to the underwriter to give him an opportunity of being heard before any action is taken by the Board on the findings of the inspecting authority.

(2) On receipt of the explanation, if any, from the underwriter the Board may call upon the underwriter to take such measures as the Board may deem fit in the interest of the securities market and for due compliance with the provisions of the Act, rules and regulations.

24. Appointment of Auditor.—Notwithstanding anything contained above the board may appoint a qualified auditor to investigate into the books of account of the affairs of the underwriter.

Provided that the auditor so appointed shall have the same powers of the inspecting authority as stated in regulation 19 and the obligation of the underwriter and his employees in regulation 21 shall be applicable to the investigation under this regulation.

Explanation.—For the purposes of this regulation, the expression “qualified auditor” shall have the same meaning as given to it in section 226 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

CHAPTER V

Procedure for action in case of default

25. Liability for action in case of default.—(1) An underwriter or a stock broker or a merchant banker entitled to carry on business of underwriting without obtaining a separate certificate under rule 3 who :—

- (a) fails to comply with any condition subject to which certificate has been granted;
- (b) contravenes any of the provisions of the Act, rules or regulations; shall be liable to any of the penalties specified in sub-regulation (2).

(2) The penalties referred to in sub-regulation (1) may be either :—

- (a) suspension of registration after enquiry for a specified period; or
- (b) cancellation of registration.

26. Suspension, cancellation of certificate.—(1) A penalty of suspension of certificate granted to an underwriter or a certificate of registration granted under section 12 of the Act to a stock broker or a merchant banker entitled to carry on business of underwriting without obtaining a certificate under rule 3, may be imposed where an underwriter or such stock broker or merchant banker :—

- (i) violates the provisions of the Act, rules or regulations;
- (ii) does not follow the code of conduct specified at Schedule III;
- (iii) (a) fails to furnish any information relating to his business as underwriter as required by the Board;
- (b) furnishes wrong or false information;
- (c) does not submit periodical returns as required by the Board;

- (d) does not co-operate in any enquiry conducted by the Board;
- (iv) indulges in manipulating or price rigging or cornering activities;
- (v) is guilty of misconduct or improper or unbusiness like or unprofessional conduct.
- (vi) fails to maintain the capital adequacy requirement in accordance with the provisions of regulation 7;
- (vii) fails to pay the fees as specified in regulation 12;
- (viii) violates the conditions of registration;
- (ix) fails to fulfil his underwriting obligations.

Provided that the Board for reasons to be recorded in writing may in case of repeated defaults of the type mentioned above impose a penalty of cancellation of certificate on the underwriting or cancellation of certificate of registration granted under section 12 of the Act on a stock broker or a merchant banker.

(2) A penalty of cancellation of certificate granted to an underwriter or a certificate of registration granted under section 12 of the Act in a stock broker or a merchant banker entitled to carry on the business of underwriting under rule 3, may be imposed where they—

- (i) indulge in deliberate manipulation of price rigging or cornering activities affecting the securities market and the investors interest;
- (ii) fail to fulfil the capital adequacy referred to in regulation 7;
- (iii) are guilty of fraud or is convicted of a criminal offence;
- (iv) violate any provision of Securities and Exchange Board of India (Inside Trading) Regulations, 1992 or
- (v) violate the provisions of the Act, rules and regulations;
- (vi) fail to fulfil more than once their underwriting obligations.

27. Manner of making order of suspension and cancellation of certificate.—No order of penalty of suspension or cancellation shall be imposed except after holding an enquiry in accordance with the procedure specified in regulation 28.

28. Manner of holding enquiry before suspension or cancellation.—(1) For the purpose of holding an enquiry under regulation 27, the Board may appoint an enquiry officer.

(2) The enquiry officer shall issue to the underwriter a notice at the registered office or the principal place of business of the underwriter.

(3) The underwriter may, within thirty days from the date of receipt of such notice, furnish to the enquiry officer a reply together with copies of documen-

tary or other evidence relied on by him or sought by the Board from the underwriter.

(4) The enquiry officer shall, give a reasonable opportunity of hearing to the underwriter to enable him to make submissions in support of his reply made under sub-regulation (3).

(5) Before the enquiry officer, the underwriter may either appear in person or through any person duly authorised by the underwriter.

Provided that to lawyer or advocate shall be permitted to represent the underwriter at the enquiry ;

Provided further that where a lawyer or an advocate has been appointed by the Board as a presenting officer under sub-regulation (6), it shall be lawful for the underwriter to present its case through a lawyer or advocate.

(6) If it is considered necessary, the enquiry officer may ask the Board to appoint a presenting officer to present its case.

(7) The enquiry officer shall, after taking into account all relevant facts and submissions made by the underwriter, submit a report to the Board and recommend the penalty to be awarded as also the justification of the penalty proposed.

29. Show-cause notice and order.—(1) On receipt of the report from the enquiry officer, the Board shall consider the same and issue a show-cause notice as to why the penalty as it considers appropriate should not be imposed.

(2) The underwriter shall within twenty-one days of the date of the receipt of the show-cause notice send a reply to the Board.

(3) The Board after considering the reply to the show-cause notice, if received, shall as soon as possible but not later than thirty days from the receipt of the reply, if any, pass such order as it deems fit.

(4) Every order passed under sub-regulation (3) shall be self-contained and give reasons for the conclusions stated therein including justification of the penalty imposed by that order.

(5) The Board shall send a copy of the order under sub-regulation (3) to the underwriter.

30. Effect of suspension and cancellation of certificate granted to underwriter.—(1) On and from the date of the suspension of the certificate or certificate of registration granted to a stock broker or a merchant banker under section 12 of the Act, the underwriter shall cease to act as an underwriter during the period of suspensions :

Provided that the Board may in the interest of the investors and securities market, permit the underwriter to complete his underwriting obligations specified in the agreement referred to in clause (b) of rule 4.

(2) On and from the date of cancellation of certificate of registration granted to a stock broker or a

merchant banker under section 12 of the Act, the underwriter shall with immediate effect cease to act as an underwriter.

31. Publication of order of suspension.—The order of the Board passed under sub-regulation (3) of regulation 29, shall be published in atleast two daily newspapers by the Board.

32. Appeal to the Central Government.—Any person aggrieved by an order of the Board under the regulations may prefer an appeal to the Central Government under the Securities and Exchange Board of India (Appeal to the Central Government) Rules, 1993.

G. V. RAMAKRISHNA, Chairman
Securities and Exchange Board of India

SCHEDULE 1 - FORM A

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

(UNDERWRITERS) REGULATIONS, 1993

(Regulation 3)

APPLICATION FOR REGISTRATION AS UNDERWRITER

NAME OF APPLICANT AND ITS STATUS

(Whether proprietary concern/firm/association of persons/body of persons/body corporate)

Name and Designation of Principal Officer :

Designation :

Telephone No .

Instruction :

1. Applicants must submit a completed application form together with supporting documents to the Securities and Exchange Board of India.
2. All columns of the application should be filled in. In case a column is not relevant then 'NOT APPLICABLE' should be specified.
3. Information which needs to be supplied in more details may be written on separate sheets which should be attached to the application form.
4. Original copy of form duly signed should be submitted for registration.

PART—I

General Information :

1. Applicants Details :

1.1 Name of the Applicant :

1.2 Address of Applicant :

Pin code

Telex No :

Telephone No. :

Fax No. :

- 1.3 Address of the Applicant for Correspondence :
 Pin code : Telephone No. :
 Telex No. : Fax No. :
- 1.4 Address of Branch Offices (in India) of the Applicant, if any :
- 1.5 Whether any other application under Securities and Exchange Board of India Act, 1992 has been made for grant of Certificate, if so, details thereof :
2. Organisation Structure :
- 2.1 Objects of the organisation of the applicant (Attach extracts from relevant documents like, Partnership deed/Charter/Memorandum of Association/Articles of Association etc.), in support of objects of the organisation.
- 2.2 Date and Place of Incorporation/Establishment of the organisation of the applicant.
- | Day | Month | Year | Place |
|-----|-------|------|-------|
|-----|-------|------|-------|
- 2.3 Status of the applicant (specify whether proprietary, partnership, association of persons, body of individuals, limited company—public, private, others. If listed, name the stock exchange and latest share price : high and low).
- 2.4 Organisation Chart stating the functional responsibility at various levels.
- 2.5 Particulars of all Proprietors/Partners/Managers/Officers/Directors.
 [Name, Qualification, Experience, Date of Appointment, Other Directorship, (Name and Date of Appointment). Previous positions held.
- 2.6 Number of employees.
- 2.7 Name and activities of associate companies/concerns.
 Name/Address/Phone number/Type of activity/Ownership details/Nature and Quantum of financial trading.
- 2.8 In case the applicant is a body corporate, please give list of major share holders (holding 5% or more voting rights).
3. Details of infrastructural facilities :
- 3.1 Office Space (mention the extent of area and ownership details available).
- 3.2 Office Equipment (mention the details of electronic office equipment, typewriters, telecommunication equipment Furniture and Fixtures, other communication facilities etc.).
4. Business Plan (for three years) :
- (a) History, Major achievements and present activity.
5. Financial Information :
- 5.1 Capital Structure (Rs. in lakhs).
- | Current Year | Last Year | Previous Year | Second Year | Third Year |
|--------------|-----------|---------------|-------------|------------|
|--------------|-----------|---------------|-------------|------------|
- (a) Paid-up capital
- (b) Free reserves (excluding revaluation reserves)
- (c) Total (a) + (b)
- (d) Loans (Details)
- (e) Net profit
- (i) General
- (ii) Specific
- Note :—In case of partnership or proprietary concerns, please indicate capital minus drawings.
- 5.2 Deployment of Resources
- (a) Fixed Assets
- (b) Plant & Machinery and office equipment
- (c) Investments (Details should be given separately)
- (d) Others
- 5.3 Major Source of Estimated Profit from various sources (Rs. in lakhs)
- | Current Year | Last Year | Previous Year | Second Year | Third Year |
|--------------|-----------|---------------|-------------|------------|
|--------------|-----------|---------------|-------------|------------|
- 5.4 Please enclose three years of audited annual accounts and where unaudited reports are submitted, give reasons.
- 5.5 Name and Address of the Principal Bankers.
- 5.6 Name and Address of the Auditors (Internal, External & Tax Auditor, if any, as applicable).
6. Other Information :
- 6.1 Indicate involvement in any offence relating to moral turpitude/economic offenses in the last three years.
- 6.2 Any other information considered relevant to the nature of services rendered by the company.
- PART—II**
7. Business Information :
- 7.1 Indicate marketing capability for Capital Issues.
- 7.2 Indicate how decision on Underwriting is usually taken.
- 7.3 Indicate various research & database facilities available.

7.4 Enclose a copy of typical contract entered with the issuer for Underwriting activity.

8. Experience :

8.1 Experience in Underwriting activities.
(Indicate Name of the company, Particulars of the issue, Amount of Underwriting done in last three years).

8.2 Experience in other financial services rendered :
(Period, Area and Date of Commencement of Activity).

8.3 Details of all Un-settled and pending devolvement/disputes regarding Underwriting.
Nature of dispute Name of the party
Pending/settled.

8.4 Indicate Underwriting defaulted with any company and reasons for the same.

DECLARATION

This Declaration must be Signed by Principal Officer/s

I/We hereby apply for GRANT OF CERTIFICATE OF REGISTRATION by the Board. I/We warrant that I/We will carry out my/our duties in accordance with the Act, Rules and Regulations

I/We warrant that I/We have truthfully and fully answered the questions above and provided all the information which might reasonably be considered relevant for the purposes of my/our grant of Certificate for registration and I/We will promptly notify the Board of any changes in the information during the period that my/our registration is being considered and if my/our registration is accepted thereafter.

I/We understand that misleading or attempting to mislead the Board shall render the applicant liable to disciplinary proceedings.

I/We certify that the above information and information supplied in the application form is true, complete and correct.

For and on behalf of

(Name of Applicant)

(Name of Applicant)

Place

Place

Date

Date

SCHEDULE-I—FORMS

FORM B

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD
OF INDIA**

(UNDERWRITERS) REGULATIONS, 1993

(Regulation 8)

CERTIFICATE OF REGISTRATION

I. In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 12 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, read with the rules

and regulations made thereunder for the underwriters, the Board hereby grants a certificate of registration to _____ as an underwriter subject to the conditions in the rules and in accordance with the regulations.

II. Registration Code for the underwriter is—

III. Unless renewed, the certificate of registration is valid from— to—

Place :

Date :

By Order,
For and on behalf of
Securities and Exchange Board of India

Authorised Signatory

SCHEDULE II

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD
OF INDIA**

(UNDERWRITERS) REGULATIONS, 1993

(Regulation 12)

FEEs

1. Every Underwriter shall subject to paragraphs 3 and 4 of this Schedule pay registration fees as set out below :

(i) Rs. 2 lakhs as 1st instalment for the first year from the date of initial grant of certificate.

(ii) Rs. 2 lakhs as 2nd instalment for the second year from the date of initial grant of certificate.

(iii) Rs. 1 lakh as 3rd instalment for the third year from the date of initial grant of certificate.

2. Every Underwriter shall subject to paragraphs (3) and (4) of this schedule pay a fee of Rs. 20,000 every year to keep his certificate in force or renewal thereof.

3. (a) The first instalment of the fee referred to in paragraphs 1 and 2 above shall be paid within 15 days from the date of intimation from the Board under regulation 8.

(b) The second and third instalments of fee mentioned in paragraph 1 shall be paid on or before expiry of 12 months from the date of grant of initial registration.

(c) The fees referred to in paragraph 2 shall be paid on or before expiry of 12 months from the date of payment of fees paid in the preceding calendar year.

4. The fees specified in paragraphs 1 and 2 above, shall be payable by a cheque, draft or other instrument in favour of "Securities and Exchange Board of India" at Bombay.

SCHEDULE III

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD
OF INDIA(UNDERWRITERS) REGULATIONS 1993
CODE OF CONDUCT

(Regulation 13)

1. Every Underwriter shall maintain high standards of integrity, dignity and fairness in all his dealings with his clients and other Underwriters in the conduct of his business.

2. An Underwriter shall ensure that he and his personnel will act in an ethical manner in all his dealings with a body corporate making an issue of Securities (hereinafter referred to in the Schedule as "the issuer").

3. Every Underwriter shall, at all times, render high standards of service, exercise due diligence, ensure proper care and exercise independent professional judgement.

4. Every Underwriter shall disclose to the Issuer Company his possible source or potential areas of conflict of duties and interest while providing Underwriting services.

5. Underwriter shall not indulge in any unfair competition, which is likely to be harmful to the interest of other Underwriters carrying on the business of underwriting or likely to place such other underwriters in a disadvantageous position in relation to the underwriter while competing for, or carrying out any assignment.

6. No Underwriter shall make any statement, either oral or written, which would misrepresent,—

(a) the services that the Underwriter is capable of performing for the, or has rendered to other Issuer Company;

(b) his Underwriting commitment.

7. No Underwriter shall divulge to other Issuer, press or any party any confidential information about his Issuer Company, which has come to his knowledge and deal in securities of any Issuer Company without making disclosure to the Board as required under the regulations and also to the Board of Directors of the Issuer Company.

8. No Underwriter shall wilfully make untrue statement or suppress any material fact in any documents, reports, papers or information furnished to the Board.